B.Ed. 2nd Year
Session – 2018-2020
Subject – School Management & Leadership
Course – 7 (B)/Unit – 3 (b)
Topic – Source Method (स्रोत पद्धति)(2nd lecture)
Lecture No: 25

Dr. Amod Kumar Sinha
(Assistant Professor)
Department of Education
A.N. D. College
Shahpur Patory
(Samastipur)

.....Continued from the previous class

प्रयोग-विधि

स्रोतों का प्रयोग निम्न प्रकार करना चाहिए -

1. **इतिहासकार** – स्रोत हमें प्रमाण के रुप में प्राप्त होते हैं। स्रोतों को समझने के लिए विशेषज्ञों अर्थात्त इतिहासकारों की आवश्यकता होती है। वे स्रोतों का अध्ययन व विश्लेषण में अनुसंधान-विधि का अनुसरण करते हैं। वे अपने निर्णयों के आधार पर स्रोत-संबंधी विषय-वस्तु का समावेश करते हैं।

2. **शिक्षक के लिए** – प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षक स्रोतों का प्रयोग ऐतिहासिक वातावरण प्रस्तुत करने के लिए करता है। उच्च कक्षाओं में स्रोतों का प्रयोग अध्ययन, वाद-विवाद, एवं अभ्यासार्थ किया जाता है। व्याख्यान पद्धति को बोधगम्य बनाने के लिए भी स्रोतों का प्रयोग किया जाता है। पाठ्य-पुस्तकों की विषय-वस्तु की सत्यता एवं ऐतिहासिक वाद-विवाद व आलोचनाओं के अन्त के लिए एकमात्र साधन स्रोत ही है।

3. **छात्रों के लिए** - स्रोत छात्रों को स्वाध्याय की प्रेरणा देते हैं। स्रोत के प्रयोग से छात्रों को ऐतिहासिक वातावरण प्राप्त होता है जिससे इतिहास का अध्ययन सरल हो जाता है एवं सीखे हुए अनुभव स्थायी होते हैं। ऐतिहासिक घटनाओं व तथ्यों की वास्तविकता का बोध होता है एवं अनुसंधान में अधिक सहायता मिलती है।

स्रोत विधि की विशेषताएँ

1. अतीत के अध्ययन के लिए सबसे प्रभावशाली पद्धति है।

2. छात्रों में सत्यता एवं व्यापकता की अनुभूति जाग्रत होती है।

3. छात्रों में विषय के प्रति रूचि उत्पन्न होती है। साथ ही वे अतीत के संबंध में जानने के लिए उत्सुक रहते हैं। अतः इतिहास की विषय -वस्तु को रटना नहीं पड़ता है।

4. इस विधि में छात्रों को ऐतिहासिक सामग्री का निरीक्षण करने , वाद-विवाद करने का अवसर मिलता है। इससे उनमें सोचने , तर्क व निर्णय करने जैसी सृजनात्मक शक्तियों का विकास होता है। पाठ्य -पुस्तकों के अध्ययन से मानसिक अभ्यास नहीं हो पाता है।

5. मौलिक स्रोत छात्रों को सही प्रकार का वातावरण प्रस्तुत करते हैं। यही वातावरण छात्रों को सीखने की अभिप्रेरणा देता है।

6. मौलिक स्रोत के प्रयोग से छात्रों की जिज्ञासा शांत होती है

Continued to the next class.....